M.A. Semester III
Philosophy CC-10
Unit-V

Prof. Ragini Kumari
Prof. & Head
P.G. Centre of Philosophy
Maharaja College, Ara

Verification Theory of Meaning
(Part - I)

तार्किक भाववादियों (Logical Positivist) के समक्ष सबसे प्रमुख समस्या यह थी कि कौन सा ज्ञान सही है तथा कौन सा ज्ञान गलत है। वास्तव में जब तक हम ज्ञानमीमांसा को सही ढंग से न समझ लें तब तक विश्व के किसी भी वस्तु के विषय में कुछ कहना सार्थक नहीं होगा। परन्तु ज्ञान की प्राप्ति वाक्यों के आधार पर होती है और सही ज्ञान का सबसे सही रूप से ज्ञान हमें इन वाक्यों के माध्यम से ही हो पाता है। इसलिए तार्किक भाववादियों के समक्ष जो सबसे बड़ी समस्या है वह है एक कसौटी की प्राप्ति, जिसके आधार पर यह निर्णय किया जा सके कि कौन से वाक्य अर्थपूर्ण है और कौन सा वाक्य अर्थहीन है। इस दृष्टिकोण को ध्यान में रखते हुए तार्किक भाववादियों ने सत्यापन विधि (Verifiability Theory) को लोगों के समक्ष लाया है। इस विधि के आधार पर किसी भी वाक्य को अर्थपूर्ण तभी कहा जा सकता है, जबकि वास्तविक या सैद्धान्तिक रूप से उसकी परीक्षा अनुभव

के आधार पर ज्ञात भी हो जाये। सत्यापन सिद्धान्त के कई रूप हैं, जिनकी चर्चा हम यहाँ करेंगे।

Requirement of Complete Verifiability in Principle :-

इस रूप के आधार पर वाक्य अर्थपूर्ण तभी होगा जबकि उसका तार्किक रूप से कुछ सीमित तर्क संगत इन्द्रियानुभविक प्रतिज्ञप्तिया (Emperical proposition) के आधार पर हो सके। इस प्रकार के होने की स्थिति अगर इस सिद्धान्त के अनुसार सैद्धान्तिक रूप से भी सम्भव हो तो ऐसे वाक्य को अर्थपूर्ण कहा जा सकता है। ऐसा सम्भव है कि कुछ वाक्यों का सत्यापन (verification) वैज्ञानिक वस्तुओं की कमी से विकसितता के अभाव में सम्भव नहीं हो लेकिन फिर भी ऐसे वाक्य अर्थपूर्ण होते हैं क्योंकि इनका सत्यापन सैद्धान्तिक रूप से सम्भव है।

Comment — सत्यापन विधि का उपर्युक्त रूप वस्तुतः संगत प्रतीत नहीं होता, क्योंकि कुछ वाक्य ऐसे भी होते हैं जिनका सत्यापन यद्यपि सैद्धान्तिक रूप से सम्भव नहीं है परन्तु फिर भी वे अर्थपूर्ण होते हैं। इस प्रकार के वाक्यों का उदाहरण के रूप में हम "पूर्णव्याप्तिवाक्य" (Universal General Proposition) को ले सकते हैं। वास्तव में यह सैद्धान्तिक रूप से भी सम्भव नहीं है कि हम

All men are mortal की परीक्षा क

ऐसे क्योंकि यह हमारे लिए सम्भव नहीं है कि भूत, वर्तमान तथा भविष्य होने वाले के लोगों का मरणशील होने का अवलोकन किया जाए। यद्यपि फिर भी स्थिति में "All men are mortal" एक सार्वभौम वाक्य है।

— To be continued —